# बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल , विश्वविद्यालय , धनबाद
## स्नातकोत्तर –हिन्दी विभाग

समय–3 घंटे पूर्णांक–100

शोध पंजीयन हेतु निर्धारित जॉच परीक्षा का पाठ्यक्रम
(DEET) (Syllabus) 2021

इकाई–1 हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियाँ, आदिकाल,भक्तिकाल, रीतिकाल की परिस्थितियाँ , प्रमुख प्रवृतियॉ एवं प्रमुख कवि –अमीर खुसरो,चंदवरदायी, विद्यापति,कबीर, जायसी, सूर,तुलसी, मीराबाई, बिहारी लाल ।

इकाई–2 आधुनिक काल– हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास भारतेंदु युग, द्विवेदी युग , छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद के प्रमुख कवि और उनके काव्य, नई कविता, समकालीन कविता और उनकी काव्य-प्रवृत्तियाँ ।

इकाई–3 गद्य साहित्य की विभिन्न विधाऐं एवं उनके रचनाकार , उपन्यास, नाटक, एकांकी कहानी, आलोचना, निबंध , संस्मरण और रेखा–चित्र, रिपोर्ताज का उद्भव और विकास । दलित–विमर्श, स्त्री–विमर्श, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, जयशंकर प्रसाद, प्रेमचंद अज्ञेय , मोहन राकेश, राजेन्द्र यादव, मृदुला गर्ग, कृष्णा सोबती का कृतित्व ।

इकाई–4 राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, भाषा का वर्गीकरण आकृति मूलक एवं पारिवारिक, भारतीय काव्य–शास्त्र– रस–सिद्धांत, काव्य–लक्षण, शब्द–शक्ति, काव्य–गुण. काव्य–दोष, पाश्चात्य काव्य - शास्त्र–विरेचन सिद्धान्त (अरस्तु) आई0 ए0 रिचर्डस–मूल्य सिद्धान्त, टी0एस0 इलियट –संरचनावाद ।

लगातार पृष्ट सं0 2 पर

इकाई–5 प्रयोजनमूलक हिन्दी, जन–संचार के माध्यम , पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास तथा दायित्व, हिन्दी–नव जागरण, झारखण्ड के हिन्दी साहित्य का परिदृश्य और उसके प्रमुख रचनाकार ।

**सामान्य निर्देश :–**

इसमें खंण्ड–'क' के अन्तर्गत बहुविकल्पीय 20 प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक 2 अंकों के देने होंगे) तथा खण्ड –'ख' से प्रत्येक प्रत्येक 5 अंक के (18 प्रश्नों में से 12) प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं ।

अंक विभाजन– खण्ड 'क' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य) 2 X 20 =40

खण्ड 'ख' लघुउत्तरीय (18 प्रश्नों में से 12) 12 X 05 = 60

कुल अंक – 100

विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर प्रकाशनार्थ समर्पित

25.01.2021